

कहते हैं कि फी पीने वालों को पीने का बहाना चाहिए... ठीक उसी तरह निकम्मों को काम न करने का बहाना चाहिए। भारत में कोरोना वायरस ने आक्रमण जरूर किया है, लेकिन हालात इतने भयावह नहीं हैं कि कोरोना से डर कर देश के सारे कामकाज ही ठप कर दिए जाएं। कोरोना के बहाने कुछ विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि संसद सत्र समय से पूर्व खत्म कर दिया जाए। ऐसे कामचोर माननीय कोरोना वायरस से भी ज्यादा खतरनाक हैं। कोरोना वायरस की मजाल नहीं है जो इनके आसपास फटक पाए। यदि कोरोना वायरस इनके करीब जाएगा तो खुद बेमौत मारा जाएगा।

गर्मा-ग

बागी विधायक मिल पाए त

हमारा रिजॉर्ट देश में सबसे माना जाता है, यहाँ विधायकों की बाड़बंदी हुई है..

रिजॉर्ट

1 2 3 4

1.2

आई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को साफ कर दिया कि एक अप्रैल से देश भर में केवल बीएस-6 गाड़ियों को बिक्री ही होगी।
 कैबिनेट ऑफ ओटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन (फाडा) का ओर से न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली डंडीपट के समक्ष मामले का विशेष उल्लेख किया गया।
 एसोसिएशन ने दलील दी कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रकोप के मद्देनजर बीएस 4 गाड़ों की बिक्री नहीं हो पा रही है। इसलिए न्यायालय को अपने पूर्व के आदेश में संशोधन करते हुए इसकी अंतिम समय सीमा बढ़ा देने की मांग

भारतीय इस गंभीर वायरस से संक्रमित हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार **शेष पृष्ठ 5 पर**

सिस्टम को लेकर मध्यप्रदेश से लेकर कर्नाटक तक राजनीतिक नाटक जारी है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा दफ्तर के सामने प्रदर्शन किया वहीं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कर्नाटक में कांग्रेस के बेंगलूरु में जाकर डेरा डाल दिया है। जहां की एक होटल में राजेश के बागी विधायक रुके हुए हैं। दिग्विजय सिंह बागी कांग्रेसी विधायकों से मिलने की जद पर अड़े हुए हैं वहीं दूसरी ओर बागी कांग्रेसी विधायकों ने विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दिग्विजय सिंह से मिलने से इंकार कर दिया है। इन बागी विधायकों ने कांग्रेस नेताओं के इस आरोप का भी खंडन किया है कि उन्हें बंधक बनाकर रखा गया है। बागी कांग्रेसी विधायकों का कहना है कि वे अपनी मर्जी से यहां आकर रुके हुए हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ पर आरोप लगाया है कि वे सिंधिया समर्थक कांग्रेसी विधायकों और मंत्रियों की लगातार उपेक्षा करते रहे हैं। उनके इस खेपे से क्षुब्ध होकर ही उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया है। वे अपने इस्तीफे पर कायम हैं, उनका तो यहां तक दावा है कि मध्यप्रदेश के और 20 कांग्रेसी विधायक इस्तीफा दे सकते हैं। बहरहाल इन बागी विधायकों को मानने के लिए कमलनाथ लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने मध्यप्रदेश के विभिन्न आयोगों के अध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देने तथा आयोगों के सदस्यों को राजमंत्री का दर्जा देने की घोषणा की है किन्तु इस पर कदमों का प्रत्योहन शुरू हो चुकी है। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है जहां गुरुवार को इस पर निर्णय आएगा। इस बीच मध्यप्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के बीच शरणा और मात का खेल जारी रहेगा। देखना दिलचस्प होगा कि मध्यप्रदेश के सियासी सिस्टम को लेकर चल रहे नाटक का कटाक्षण कैसा होगा? कमल ही नाथ बने रहेंगे या शिव का राज वापस आएगा।

अ. वेदप्रताप वैदिक और उन्हें जो बोला है, वह बोला नहीं है। उन्होंने भाजपा में भी शामिल होने की बात नहीं कही है। उन्होंने यह इस्तीफा देकर गुजरात के अपने कांग्रेसी नेताओं को यह संदेश दे दिया है कि उनके द्वारा नामजद राज्यसभा के दो सदस्य ज्यों की त्यों पाएँगे। कांग्रेस अब सिर्फ एक सदस्य को ही भेज पाएगी, क्योंकि 182 सदस्यों की विधानसभा में अब उसके सिर्फ 68 सदस्य ही रह गए हैं। इन पांचों बागी सदस्यों की जमात में अभी पता नहीं उनके सदस्य और भी शामिल हो जाएँगे। राज्यसभा के लिए चुनाव 26 मार्च को होने हैं। अगले 8-10 दिन में पता नहीं क्या गुल मिलेगा ? एक बात जरूर अच्छी हो रही है कि जो कांग्रेसी विधायक अपनी पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रहे हैं, वे अपने पते से इस्तीफा दे रहे हैं लेकिन इस्तीफे के बाद वे क्या करेंगे ? पार्टी ने तो उन्हें मुअतिल कर दिया है। वह उन्हें निकाल बाहर भी करेगा। तब उनको पास भाजपा-प्रवेश के अलावा चारा क्या बचा रहेगा ? उनका भविष्य जो भी होगा, फित्हाल कांग्रेस पार्टी का भविष्य खतरे में जाता दिखाई पड़ रहा है। जो हाल इस पार्टी का मज़्र में हो रहा है, वहीं हाल राजस्थान में भी होगा, एल सी अटकलें लगाई जा रही हैं। सचिन पायल को सिंधिया की तरह भाजपा में मिलाने के लिए ही केंद्र की भाजपा सरकार ने सचिन के समुद्र फरक अब्दुल्ला को रिहा कर दिया है। यह अनुमान निराधार भी हो सकता है लेकिन यह सत्य है कि कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व की शून्यता ने उसकी नई पीढ़ी का मोह-भंग कर दिया है। नई पीढ़ी के लोग डूबते जहाज से कूद-कूदकर बाहर आ रहे हैं। मज़्र में चला दंगल अब सर्वोच्च न्यायालय में पकूच गया है, उसका फैसला जो भी हो, अब भीपाल में कमलनाथ-सरकार का टिके रहना मुश्किल है। मज़्र में चल रही नौटंकी ने भारतीय लोकतंत्र के माथे पर काला टीका जड़ दिया है। बाहरी शहरों की होटलों में कैदियों की तरह पड़ हुए ये विधायक क्या जनता के प्रतिनिधि होने के लायक हैं ?

नई दिल्ली। WhatsApp दुनिया का सबसे पॉपुलर इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप है। इसकी पॉपुलैरिटी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया भर में करोड़ों यूजर इसे एक प्राइमरी मैसेजिंग ऐप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। वॉट्सऐप, यूजर के चैटिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए कई थान्स फीचर ऑफर करता है। फीचर्स के अलावा वॉट्सऐप में कुछ सीरीज ट्रिक्स भी हैं। पीसी और मैक पर बिना फोन के वॉट्सऐप चलाने के की तरीके हैं।

आघात के जीवन से विश्वासघात के आघात से शरीर जीवित रह जाता है किंतु आत्मा की मृत्यु निश्चित होती है क्षण क्षण इस वेदना से व्यथित हृदय को चाहिए शांति के कुछ क्षण और एक लम्बी नींद और आराम स्वयं से ही।



नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे का मानना है कि स्टाइल किंग्स होने का एक फायदा यह है कि वह इंडस्ट्री के लोगों से आसानी से संपर्क कर सकते हैं और इसके साथ ही वह यह भी मानी है कि जाह्नवी कपूर उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं। भाई-भतीजावाद को लेकर हो रही चर्चा पर अनन्या ने कहा, मैं अब भी यह बात मानी हूँ कि हमें काफ़ी फायदा है, हम कई लोगों से मिल पाते हैं। इंडस्ट्री के लोगों से हम आसानी से संपर्क कर पाते हैं, क्योंकि हम उनके बीच में ही रहकर बड़े होते हैं, लेकिन अब चूँकि मुझे मौका मिला है, तो मेरे लिए इस गंवना व्यर्थ हो गई। मैं अपने पिता को गौरवान्वित करना चाहती हूँ। अनन्या ने 'स्टायरी नाइट्स जेन वॉय' के एक एपिसोड में अपने पिम्प्री सप्प के बारे में बात की। इसे जी कैफ़ पर प्रसारित किया जाता है। शो में उन्होंने यह भी स्वीकारा कि पिम्प्री इंडस्ट्री में जाह्नवी कपूर उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं।

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने कहा है कि शार्ट फिल्म देवी की स्टाकाउट ने काज कोई सपना नहीं ली है। काजोल की शॉर्ट फिल्म देवी इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में नेहा धूपिया, रश्मि हसन जैसी कई बड़ी एक्ट्रेसजें ने काम किया है और सभी के काम को खूब सराहना हो रही है। इस फिल्म को काजोल ने प्रोड्यूस किया है।

काजोल ने कहा, -हर कोई हर दिन एक छोटा स्टेप लेता है। मैं उन में से हूँ जो आधा ग्लास भर हुआ देखते हैं न कि ये आधा खाली। इस फिल्म के लिए हम साथ इसलैफ़ आए क्योंकि हम इसमें विश्वास करते हैं। किसी ने भी इसके लिए एक भी रुपया नहीं लिया। फिल्म देवी में काजोल के अलावा नेहा धूपिया, नीना कुलकर्णी, रश्मि हसन, शिवानी रघुवंशी, संध्या दहत्रे, रमा जोशी, मुक्ता बॉवें, रश्मिनी दाम्मना जैसी एक्ट्रेससे हैं। यह फिल्म नौ महिलाओं की कहानी है और पर्सनिथियों के चलते सभी को एक कमरे में समय बिताना पड़ता है। इस फिल्म के सहारे नौ अलग-अलग बैकग्राउंड से आई महिलाओं के चैलेंजों को भी दिखाया जाएगा।

मुंबई | बॉलीवुड अभिनेत्री अनंशा बिस्वास का कहना है कि फिल्म 'प्रतिनिधि :ए रिप्लेकेशन' में उनकी भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण रही है। मिर्जापुर की सभ्यता के बाद अनंशा बिस्वास चर्चाओं में रही हैं। उनके अभिनय के अंदाज को काफी पसंद किया जा रहा है। अनंशा बिस्वास ने अपनी आगामी फिल्म 'प्रतिनिधि ए रिप्लेकेशन' के ट्रेलर के साथ अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस फिल्म को विक्रम दवार ने डायरेक्ट किया है।



फिल्म की चर्चा करते अनंशा बिश्वास ने कहा, + हमने एक छोटी लड़की की यात्रा और महिलाओं के प्रति सामाजिकता को बारीकी से दिखाने की कोशिश की है। हमने कई बातों पर रोशनी डालने की कोशिश की है जिसका सामना एक महिला को करना पड़ता है, इसमें शरीर की बनावट पर शर्म, खुद पर नकारात्मक संदेह, आत्मसम्मान की कमी, यौन संबंध के लिए फ़ेस करना आदि शामिल है। अनंशा बिश्वास ने कहा कि इस तरह के महत्वपूर्ण विषय ने उनके निजी जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, +यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रही है। फिल्म में मेरा कोई भी संवाद नहीं है, यह फिल्म सभी तरह की भावनाओं पर आधारित है। फिल्म एक लड़की के 14 वर्ष की आयु से आगे के जीवन के विभिन्न चरणों को दर्शाती है। फिल्म बाल शोषण पर प्रकाश डालने की भी कोशिश करती है और उसके बाद उस बच्चे और उसके जीवन को कैसे प्रभावित करती है, यह भी इसमें दर्शाया गया है। सुश्री बिश्वास ने कहा, + मैं एक सिक्रेट्स को शूट करने के बाद अपनी वैनिटी में बैठकर घंटों रोती थी। मेरे जीवन पर इस फिल्म का प्रभाव बहुत ज्यादा रहा।

‘मंकीगोट’ स्कैंडल मेरी कप्तानी का सबसे खराब क्षण : पोंटिंग

बुधवार को कहा, हमने इस बारे में बांगडू से बात की है लेकिन अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हम सलाहकार पद के लिए अन्य लोगों के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। मैकेजी वनडे टीम के बल्लेबाजी सलाहकार हैं और हम उम्मीद करते हैं कि जब तक हमें टेस्ट टीम के लिए कोई सलाहकार नहीं मिल जाता तब तक वह इसकी जिम्मेदारी संभालें।

ढाका । बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस बारे में बांगड़ से बात की है लेकिन अभी उनके बल्लेबाजी सलाहकार बनने के बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है। बीसीबी ने बंगलादेश वनडे टीम के बल्लेबाजी सलाहकार नील मैकेजी

नई दिल्ली । अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने अपने सभी पदाधिकारियों और अन्य स्टाफ को कोरोना वायरस से खतरे के चलते तत्काल प्रभाव से घर से काम करने के लिए कहा है। एआईसीएफ के सचिव भरत सिंह चौहान ने सभी को अपने संदेश में कहा है कि कोरोना के खतरे को देखते हुए एआईसीएफ का कार्यालय स्टाफ तत्काल प्रभाव से अपने घर से काम करेगा। सभी से यह आह्वान किया जाता है

मुंबई वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने कार्यालयों को बंद कर दिया है और अपने कर्मचारियों को घर पर काम करने के लिए कहा है। बीसीसीआई ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए आईपीएल का 13वां सत्र 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया था। इसके अलावा उसने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों

की वनडे सीरीज भी स्थगित कर दी थी। बीसीआई ने कोरोना के कारण अपने सभी घरेलू टूर्नामेंटों को भी अल्टिमाटम रोक दिया है। बीसीसीआई ने कहा, हमने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वानखेडे स्टेडियम में स्थित मुख्यालय को कोरोना वायरस के कारण बंद किया जाना बेहतर रहेगा। इसलिए सभी कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी जाती है।

दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटरों से कहा गया है कि भारत से स्वदेश लौटने पर वे सरकारी नियमों के अनुसार खुद को अलग-थलग कर लें ताकि किसी भी तरह का लक्षण होने पर उनका बचाव किया जा सके।

जीहानसर्गर्ग | दुनियाभर में जब कोरोना का खतरा अपने पांव पसार रहा था तब दक्षिण अफ्रीका की टीम तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने भारत दौर पर आ गयी। धर्मशाला में पहला वनडे बारिश के धूल गया और उसके बाद कहा गया कि दूसरा और तीसरा वनडे दर्शकों के बिना खेला जाएगा लेकिन कोरोना के खतरे को देखते हुए लखनऊ और कोलकाता के अंतिम दो वनडे रद्द कर दिए



गा और दोनों देशों के बोर्डों ने इस सीरीज को बाद में खेलेने पर सहमति जता दी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शुरुष मांजरा ने दक्षिण अफ्रीका टीम को लेकर कहा कि भारत दौर से पहले इस बात का अकालन लिया गया था कि भारत का दौरा करना सुस्थित रहेगा या नहीं। उस समय भारत में कोरोना के 30 मामले थे और सीरीज के मेजबान शहरों में कोरोना का कोई इलाका नहीं था। उन्होंने कहा, «उस समय हमें लगा कि खतरा कम है और हम आवश्यक सावधानी के साथ दौर पर जा सकते हैं। लेकिन भारत बदले और दौरान दुनियाभर में तेजी से हालात बदले और यह महामारी पूर्व से पछिमी की तरफ बढ़ गयी।



इस दौरान ऐसी स्थिति पहुंच गयी जब हरभजन और सायमंड्स के बीच कहासुनी हो गयी और पॉटिंग ने अंपायर के पास जाकर शिकायत की कि हरभजन ने सायमंड्स को मंकी कहा है। दिन की समाप्ति के बाद मैच रेफरी ने हरभजन पर लेवल तीन अपराध के उल्लंघन का आरोप लगाया और उन पर तीन टेस्टों का प्रतिबंध लगा दिया। इस मामले से भड़की

भारतीय टीम ने अपना दौरा रोकने और भारत लौटने का फैसला किया। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष के हस्तक्षेप से दौरा जारी रहा। सचिन ने शतक और हरभजन ने अर्धशतक बनाया। भारत इस मैच में अंतिम दिन हारा क्योंकि कई फैसले भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ गए। कप्तान अनिल कुंबले ने मैच की समाप्ति

के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिर्फ एक ही टीम खेल भावना से खेल रही थी। कुबले ने इन शब्दों ने पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पर ही सवाल खड़े कर दिए थे और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन शब्दों की गूंज सुनायी दी थी।

लगभग एक महीने के बाद इस मामले पर सुनवाई पूरी हुई और हरभजन पर नरस्त्रभेदी टिप्पणी के आरोप साबित नहीं हो पाए। इस मामले में सज्जिन की गवाही बहुत ही महत्वपूर्ण रही। हरभजन से प्रतिबंध हटाया गया और अपशब्दों के इस्तेमाल के लिए उन पर मैच फेस के 50

पीसदी का जर्माना हुआ।
सायमंड्स इस नतीजे से संतुष्ट नहीं
थे और इसके खिलाफ अपील
करना चाहते थे लेकिन उन्हें
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मदद नहीं
मिली। इस घटना के बाद
सायमंड्स का करियर लगभग
समाप्त ही हो गया। भारत ने अंगला

टेस्ट 72 रन से जीता और सीरीज ऑस्ट्रेलिया के नाम 2-1 से रही।

पोटिंग ने कहा, “2005 में एरोज सीरीज हारना बड़ा झटका था लेकिन उस सीरीज में परिस्थितियों पर मेरा नियंत्रण था जबकि मकीगेट स्कैंडल के समय मेरा हालात पर कोई नियंत्रण नहीं था और यह मेरी करानी का सबसे खराब क्षण था। यह विवाद काफी समय तक चला और मुझे याद है कि एडिलेड टेस्ट के दौरान मैंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों से इस संबंध में बात की क्योंकि इस मैच के बाद मामले की सुनवाई होनी थी।”

उन्होंने कहा, मंकीगेट स्कैंडल मामले के बाद टीम में सभी लोग हताश हो गए थे और इसके कारण अगले मुकाबले में इसका टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ा था।

वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण प्रतिष्ठित यूरो 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट को अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

ओस्लो। नॉर्वे फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। महासंघ के अनुसार यह प्रतिযোগिता अब 2021 में 11 जून से 11 जुलाई तक आयोजित होगी जहाँ की संभावना है। यूरो 2020 को जून और जुलाई में 12 देशों में आयोजित होना था और इसके सेमीफाइनल तथा फाइनल लंदन में खेले जायेंगे। कोरोना ने दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल फुटबॉल को काफी प्रभावित किया।



है। इंग्लैंड में सभी फुटबॉल मुकाबले चार अप्रैल तक के लिए निर्लंबित कर दिए गए हैं। जर्मन फुटबॉल लीग में भी मैच स्थगित किए गए हैं जबकि यूएफए ने सभी चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के इस सप्ताह के मैचों को स्थगित कर दिया था। अफ्रीका कप के दो राउंड

स्थगित किए गए हैं। कोनकाकाफने अपनी सभी प्रतियोगिताओं को निलंबित कर दिया है जिसमें ओलंपिक क्वालीफायर भी शामिल है। पराग्वे, कोलंबिया, चिली, फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, डेनमार्क, नॉर्वे, पोलैंड, अमेरिका, हॉलैंड, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया ने अपने यहां होने वाले फुटबॉल मैचों को स्थगित किया है। एशियाई विश्वकप क्वालीफाइंग मैचों को भी स्थगित किया गया है। दोहा में चार देशों का टूर्नामेंट रद्द कर दिया गया है। एशियाई चैंपियंस लीग को सितंबर में पहुंचा दिया गया है।

31 मार्च तक जन्म व दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाने अस्पताल में न आएँ: जिला अस्पताल में 1200 की ओपीडी, 500 से अधिक भर्ती सहित उनके दो-दो तीन अटेंडेंट सहित कुल 2 से 3 हजार लोगों की भीड़ सुबह से

मध्य प्रदेश में सियासी घमासान के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की

हमें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने धोखा दिया, भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है– दिग्विजय

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में सियासी घमासान के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि बीजेपी मध्य प्रदेश में जो कर रही है, वो लोकतंत्र की हत्या है। गौरतलब है कि आज सुबह दिग्विजय सिंह कांग्रेस के बागी विधायकों से मिलने बेंगलुरु पहुंचे थे लेकिन वो उनसे मुलाकात नहीं कर पाए। उसके बाद दिग्गी वहीं अनशन पर बैठ गए जिसके बाद बेंगलुरु पुलिस ने उनको हिरासत में लिया था।

बीजेपी सरकार पर दिग्विजय सिंह ने लगाए आरोपदिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी पर

न्यूज गैलरी

नकली नोट बनाने वाली गैंग के तीन सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, 20 लाख के नकली नोट बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। नकली नोट बनाने वाली गैंग के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 20 लाख रुपए कीमत के नकली नोट भी बरामद किए गए हैं। यह इंदौर में पकड़ाए गए नकली नोटों की सबसे

बड़ी राशि है। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को सूचना मिली थी कि इंदौर– मानपुर फोरलेन रोड पर राजपूत ढाबे के आगे कुछ लोग नकली नोट की बड़ी खेप सप्लाई करने के लिए खड़े हैं। सूचना पर क्राइम बांच एवं थाना किशनगंज की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्तियों ने अपने

नाम फिरोज पिता अजीज खान (38) निवासी बड़वानी, अक़रम पिता रमजान मंसूरी (25) निवासी बड़वानी एवं गोलू उर्फ शहजाद अली पिता रफीक अली (35) निवासी बड़वानी बताया। सरख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वे यहां पर नकली नोट की बड़ी खेप सप्लाई करने के लिए आए थे।

तलाशी लेने पर मिले नकली नोट

पुलिस द्वारा आरोपी फिरोज के हाथ में मौजूद बैग की तलाशी लेने पर उसके पास से 2000 रुपए के नोट की 6 गड्डी (कुल 600 नोट) मिले जिनकी कीमत 12 लाख रुपए थी। आरोपी अक़रम पिता रमजान के हाथ में मौजूद काले रंग के बैग की तलाशी लेने पर 500 रुपए के नोट की 13 गड्डी (कुल 1325 नोट) जिसकी कीमत 6 लाख बायट हजार पांच सौ रुपए थी। वहीं आरोपी गोलू उर्फ शहजाद के पास मौजूद थैली की तलाशी लेने पर 200 रुपए के नोट की 7 गड्डी (कुल 701 नोट) मिली जिसकी कुल कीमत एक लाख चालीस हजार दो सौ रुपए थी बरामद किए गए। इस प्रकार तीनों आरोपियों के पास से कुल बीस लाख दो हजार सात सौ रुपए मिले। उक्त सभी नोट नकली थे जिन्हें जल्द कर लिया गया।

घर पर मिली नोट छापने की सामग्री

आरोपी फिरोज ने पुलिस को बताया कि वह इंदौर के परदेशीपुरा में किराए के मकान में रहता है। इस पर पुलिस ने उक्त स्थान पर छापा मारा तो वहां से नकली नोट बनाने के उपयोग में ली जाने वाली प्रिंटिंग मशीन, कलर फैलाने वाले वाईशर, नकली नोट बनाने में प्रयोग होने वाले कागज का बंडल, केमिकल, कंप्यूटर व अन्य सामग्री बरामद की गई।

एरोड्रम रोड पर असंतुलित होकर आयशर पलटने से एक युवक की मौत, 8 लोग घायल

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। एरोड्रम रोड पर मंगलवार देर रात एक आयशर असंतुलित होकर पलटी खा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि अन्य आठ लोग घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एंबुलेंस 108 से सभी घायलों को एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। वाहन सवार सभी लोग शادی में केंटरिंग का काम खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। घटना मल्हारगंज थाना क्षेत्र के पीलियाखाल के पास एरोड्रम रोड की है। यहां देर रात आयशर की स्टेयरिंग फेल होने से हादसा हुआ। घटनास्थल के पास ही मल्हारगंज पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। हादसे के बाद पुलिस ने तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को एमवाय अस्पताल भिजवाया। जहां शेखर नामक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि आठ घायलों को भर्ती कर लिया गया। हादसे में घायल महेंद्र कुमार ने बताया कि सभी लोग जार्मनिया खुर्द गांव के रहने वाले हैं। वे गणपति क्षेत्र के एक केंटरिंग संचालक के साथ काम करते हैं। रात को भी सभी लोग एक गार्डन से काम खत्म कर घर जा रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए।

आरोपों की बौछार कर दी. दिग्विजय ने कहा, -बीजेपी मध्य प्रदेश में जो कर रही है, वह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि हम मध्य प्रदेश में बहुत शानदार तरीके से सरकार चला रहे थे, लेकिन हमें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने धोखा दे दिया। बागी विधायकों को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि इन सभी के होटल में रुकने का पैसा बीजेपी दे रही है और इनपर दबाव बना रही है। दिग्विजय सिंह अब कर्नाटक में बागी विधायकों से मिलने की इजाजत मांगने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे।



कर्नाटक में मचा सियासी झुमा

मिलने देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा

कि यह तानाशाही है। कर्नाटक में बीजेपी की सरकार है।

दिग्गी का पुलिस पर आरोप

पुलिस के हिरासत लेने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे कहां ले जाया जा रहा है। मुझे अपने विधायकों से मिलने दिया जाना चाहिए था। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। हम सरकार भी बचाएंगे और हमारे विधायकों को भी वापस लेंगे। इससे पहले बागी विधायकों को मनाने बेंगलुरु गए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के साथ मध्य प्रदेश के 8 मंत्रियों को भी बेंगलुरु पुलिस ने हिरासत में लिया।

मुझे मेरे विधायकों से मिलने दो- दिग्विजय सिंह

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मुझे मिलने क्यों नहीं दे रहे। मुझे कम से कम मेरे कांग्रेस के विधायकों से मिलने दें। वे जहां वोट देना चाहें दें, लेकिन मुझे मिलने तो दें। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि कर्नाटक पुलिस हमें स्थानीय छुष्टकऑफिस लायी है। हमारी मांग है कि छुष्टककी कैद में रह रहे हमारे विधायकों से हमें मिलने दिया जाए। जब तक हमारी मुलाकात अपने विधायकों से नहीं होगी, मैं अनशन की घोषणा करता हूँ। हमारे देश में लोकतंत्र है, डिक्टेटरशिप नहीं।

30 जून को रिटायर होने पर भी पेंशन में मिलेगा एक वेतनवृद्धि का लाभ

नवप्रदेश संवाददाता

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने

एक अहम आदेश में साफ किया कि कि कोई सरकारी कर्मचारी 30 जून को रिटायर होता है, तो भी उसे महज एक दिन के लिए प्रतिवर्ष दी जाने वाली एक वेतनवृद्धि के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि वैसे भी वेतनवृद्धि 1 जुलाई से 30 जून तक के अरसे के लिए की जाती है, अगली 1 जुलाई तक नहीं। इस मत के साथ प्रशासनिक न्यायाधीश संजय यादव व जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ ने हाईकोर्ट की एकलपीठ द्वारा इस मामले में दिए गए निर्णय को उचित ठहराया। जबलपुर में विजय नगर निवासी रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने मप्र हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि शासकीय कर्मी को प्रतिवर्ष मिलने

वाली वेतनवृद्धि का लाभ 1 जुलाई से दिया जाता है। वे 30 जून



2015 को रिटायर हुए। इस वजह से उन्हें वर्ष 2015 के लिए वेतनवृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। इसके चलते याचिकाकर्ता को जितनी पेंशन मिलनी चाहिए, नहीं मिल रही है। 3 दिसंबर 2019 को हाई कोर्ट के जस्टिस संजय यादव की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने सेवाकाल पूरा करते हुए विवादित वर्ष भर काया किया है, इसलिए वह वेतनवृद्धि पाने का अधिकारी है।

मध्य प्रदेश के सियासी संकट के लिए दिग्विजय सिंह हैं जिम्मेदार ?

बेंगलुरु में सिंधिया समर्थक विधायकों ने वीडियो जारी कर कहा दिग्विजय कर रहे हैं नौटंकी,

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। बेंगलुरु सिंधिया समर्थक विधायकों से मिलने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पहुंचे थे। जब ये बात सिंधिया समर्थक विधायकों को पता चली कि उनसे मिलने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह बेंगलुरु आए हैं और होटल के बाहर पुलिस ने उनको रोक लिया है और गिरफ्तार कर बेंगलुरु के अपृथाहल्ली पुलिस

स्टेशन में पुलिस का थाने में बैठाया है। तो सभी सिंधिया समर्थक विधायकों ने एक वीडियो जारी कर कहा कि दिग्विजय नौटंकी कर रहे हैं। सिंधिया समर्थक विधायकों ने अपना अलग अलग वीडियो जारी कर कहा कि हम लोग पहले भी बता चुके हैं और भी बता रहे है कि हम अपनी मर्जी से यहां आकर रह रहे हैं हमें परेशान न किया जाए। आप को बता दे कि विधायक,

तुलसी सिलावट, इमारीती देवी, प्रभुराम चौधरी समेत 22 विधायकों ने अपना अपना वीडियो जारी किया है। आप को बता दें कि मध्यप्रदेश में चल रही सियासी बवंडर के बीच बेंगलुरु में हिरासत में लिए गए मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को जमानत मिल गई है। दरअसल,मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के तरफ से राज्यभा उम्मीदवार दिग्विजय सिंह,

तक पूरी तरह बिक जाए। इसके लिए कंपनी के स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाला स्टॉफ शोरूमों की विजिट कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल एसोसिएशन की निेशनल वॉडीज फेडरेशन एंॉटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि कोरोना वायरस के चलते ऑटो शोरूमों में ग्राहकों की 40 फीसदी कमी हो गई है।

रेलवे बोर्ड का निर्णय

महिला रेलकर्मियों को 730 नहीं, 365 दिन की चाइल्ड केयर लीव; शिकायतों के बाद उठाया यह कदम

730 की जगह 365 दिन यानी एक साल की ही चाइल्ड केयर लीव मिलेगी

अधिकारियों का कहना है निर्णय रेलवे बोर्ड का है, कुछ नहीं कह सकते

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। रेल मंडल की महिला कर्मचारियों को 730 की जगह 365 दिन यानी एक साल की ही चाइल्ड केयर लीव मिलेगी। इस अवधि के बाद जो भी महिला कर्मी चाइल्ड केयर लीव



को आगे बढ़ाएंगी उनका प्रतिमाह के हिसाब से 20 फीसदी वेतन काटा जाएगा। जबकि अब तक वेतन काटने जैसा कोई नियम नहीं था। इस मामले में रेल अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय रेलवे बोर्ड का है, इसलिए इसके बारे में कुछ नहीं कह सकते। देश के विभिन्न रेल मंडलों में महिला

रेलकर्मियों द्वारा चाइल्ड केयर लीव का सही तरीके से उपयोग न करने की शिकायतों के बाद रेलवे बोर्ड ने इसकी अवधि अब आधी कर दी है। इस आदेश पर अमल भी शुरू कर दिया गया है। इस निर्णय से पश्चिम-मध्य रेलवे के भोपाल, जबलपुर व कोटा मंडलों की 6 हजार से ज्यादा महिला

32 लोकेशनों के दाम बढ़ाने का प्रस्ताव, कंस्ट्रक्शन वाली जगह नहीं बढ़ेंगे

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में भले ही रियल एस्टेट का कारोबार मंदी के दौर से गुजर रहा हो, लेकिन प्लॉट, मकान, फ्लैट को लोग कलेक्टर गाइडलाइन से साढ़े तीन गुना अधिक दामों पर खरीदकर रजिस्ट्री करा रहे हैं। इसे देखते हुए भोपाल जिले की वर्ष 2020-21 की नई कलेक्टर गाइडलाइन में 32 लोकेशनों में 5 से 10 फीसदी जमीनों के रेट बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इतना ही नहीं वाणिज्यिक कर विभाग के आदेश के अनुसार कंस्ट्रक्शन वाली साइट पर जमीनों के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे। इन सभी मुद्दों को लेकर जिला मूल्यांकन समिति की बैठक बुधवार को दोपहर साढ़े 12 बजे कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इसमें निर्णय लेने के बाद केंद्रीय मूल्यांकन समिति को प्रस्ताव भेजा जाएगा। पंजीयन विभाग के अनुसार खजूरीकलां में



कलेक्टर गाइडलाइन से 88 फीसदी अधिक दामों पर सबसे ज्यादा रजिस्ट्रियां बढ़े हुए दाम पर हुई हैं। वर्तमान में इस क्षेत्र में कलेक्टर गाइडलाइन में दाम 9600 रुपये प्रति वर्गमीटर है। ऐसे में 10 फीसदी दाम बढ़ाए जाने पर यहां 10500 रुपये प्रतिवर्गमीटर दाम किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसी तरह एयरोसिटी, नार्वाडियाकलां, बिशनखेड़ी, बड़वई स्थित बीडीए के प्रोजेक्ट्स संचालित हो रहे हैं। यहां भी दाम बढ़ाए जाने की तैयारी है।

हाई कोर्ट ने पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह के खिलाफ कार्रवाई पर लगाई रोक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य के पूर्व गृहमंत्री व खुर्द से मौजूदा भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। मामला कांग्रेस सरकार के मौजूदा संकट के कारण राजनीतिक द्वेषवश परेशान करने के आरोप से संबंधित था। न्यायमूर्ति सुबोध अश्वंकर की एकलपीठ ने इस मामले में अपना आदेश सुनाया। जिसमें साफ किया गया कि याचिकाकर्ता नोटिस का जवाब दे। उसके बाद प्रशासन की ओर से जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह 7 दिन तक प्रभावी नहीं

होगा। इसका यह अर्थ है कि उस आदेश के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डीके त्रिपाठी ने दलील दी कि 2 मार्च को मध्यप्रदेश में कांग्रेस विधायकों के इधर-उधर होने का हल्ल मचा। राज्य सरकार को इस मामले में याचिकाकर्ता की भूमिका का संदेह हुआ। लिहाजा, 4 मार्च को सागर के चराई ग्राम स्थित पैतृक जमीन में शासकीय जमीन मिली होने का आरोप लगाते हुए नोटिस जारी कर दिया गया।

वाले दुपहिया एवं एक करोड़ से अधिक कीमत के चार पहिया वाहन खड़े हुए है। कारोबारियों को उम्मीद है कि 25 मार्च तक इनकी बिक्री हो जाएगी। दरअसल एक अप्रैल 2020 से बीएस-4 तकनीक वाले वाहनों की बिक्री बंद होने वाली है। इसके लिए परिवहन विभाग ने वाहन विक्रेताओं से कहा है कि वे 25 मार्च तक बिके हुए वाहनों का रजिस्ट्रेशन करवा लें। हालांकि ऑटो कारोबारियों ने



रजिस्ट्रेशन की तारीख आगे बढ़ाने की मांग

की थी, जिसे परिवहन विभाग ने नहीं माना। अब ज्यादा से ज्यादा स्क्रीमों का लाभ देकर बीएस4 तकनीक वाले वाहनों को बेचने का लक्ष्य रख रहा है। उनका कहना है कि अभी बुकिंग और बिक्री हो रही है। 25 मार्च को नवरात्र के पहले दिन ग्राहक शुभ मुहूर्त में वाहन अपने घर ले जाएंगे।कंपनी स्टॉफ की विजिटऑटोमोबाइल कंपनियां भी चाहती है कि बीएस4 तकनीक वाले वाहन इस अवधि